किसान डायरी
जीरा

german cooperation
DEUTSCHE ZUSAMMENARBEIT

Implemented by giz

develoPPP
Where business meets development.

AVT McCORMICK INGREDIENTS PVT. LTD.

Published by:
Deutsche Gesellschaft für
Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

Registered offices
Bonn and Eschborn, Germany
'Enhancement of Smallholder Spice Farmers'
Capacities in Sustainable Farming' project

A2/18, Safdarjung Enclave,
New Delhi - 110029, India
T +91-11-4949 5353
F +91-11-4949 5391
E poonam.pande@giz.de
W www.indo-germanbiodiversity.com

This developPPP.de project aims to strengthen the production of cardamom, cumin and turmeric in Rajasthan, Karnataka, Kerala and Tamil Nadu by increasing the capacities of spice farmers and making the production practices economically, socially and environmentally more sustainable.

As at Month 2022

Design
MKM Creatives
Delhi

Photo credits
List of photographers in alphabetical order
photographer: Dr Poonam Pande
photographer: Pradnya Thombare
photographer: Mr. Ashok P Nair
photographer: Dr. Girish Jathar

Text
Poonam Pande
Pradnya Thombare

On behalf of the
German Federal Ministry for Economic Cooperation and Development (BMZ)

किसान डायरी

किसान का नाम: ....

गांव : .... पोस्ट: ....

तालुका : .... जिला: ....

राज्य :... पिन कोड: ....

एनपीओपी कोड ....

(नया किसान)

पंजीकरण की स्थिति :	पंजी	सी1	सी2	सी3	जैविक

इंटरनल कण्ट्रोल सिस्टम (ICS)
में किसानों के प्रवेश की तिथि : ....

एफआईजी (किसान हित समूह) या उप-समूह जिसका
किसान सदस्य है या एफपीओ
(किसान उत्पादक संगठन) का नाम) ....

....

....

....

....

1. आसपास के विवरण (सड़क, नदी, झील, जंगल आदि) के साथ मानचित्र

खेत की जीपीएस स्थिति:

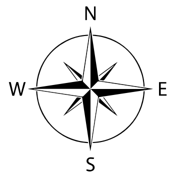

2. खेत की सीमा विवरण के साथ मानचित्र

खेत की जीपीएस स्थिति:

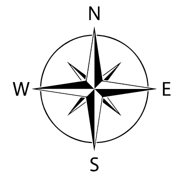

3. फसल अवधि: खरीफ   साल : 2022-23

रोपी/लगाई गई फसल के विवरण

फसल लगाने की अवधि: .... से .... तक

		फसल, किस्म, अनुमानित उत्पादन तथा वास्तविक उत्पादन											
भूखंड सं.	क्षेत्र (हेक्टेयर/बीघा)	मुख्य फसल						मिश्र फसल / सह फसली खेती					
		फसल	किस्म	अनुमानित उत्पादन	वास्तविक उत्पादन (कि.ग्रा./क्विंटल/टन) इकाई का उल्लेख करें			फसल	किस्म	अनुमानित उत्पादन	वास्तविक उत्पादन (कि.ग्रा./क्विंटल/टन) इकाई का उल्लेख करें		
					मुख्य क्षेत्र	बफर क्षेत्र	कुल				मुख्य क्षेत्र	बफर क्षेत्र	कुल

खेत प्रबंधन

1 पोषक तत्व प्रबंधन

क्रमांक	उर्वरक उत्पादन जैसे खेत की खाद, वर्मीकम्पोस्ट, जीवमृत, पंचगव्य	इकाई (किलोग्राम/ लीटर)	उत्पाद/दिनांक		उत्पादन (मात्रा)	खेत में प्रयोग की तिथि	खेत में प्रयोग (मात्रा)	तैयारी की लागत (रु.)
1								
2								
3								
4								
5								

पोषक तत्व प्रबंधन के लिए मजदूरी लागत

	प्रति दिन शुल्क	पुरुषों की संख्या		दिनों की संख्या	महिलाओं की संख्या	दिनों की संख्या	कुल लागत (रु.)
खाद उत्पादन तैयारी							
परिवहन							
प्रयोग							

बाज़ार से खरीदा गया खाद

खाद का नाम	युरिया (एन)	डीएपी (पी)	पोटैश (के)		बिल का विवरण	मात्रा (कि.ग्रा.)	कुल लागत (रु.)

2 पशुपालन का विवरण

क्रमांक	विवरण	संख्या	विवरण प्रजातियां
1	गाय		
2	भैंस		
3	बैल		
4	भेड़		
5	बकरी		
6	कुक्कुट पालन		
7	मधुमक्खी पालन		
8	मछली पालन		

3 बुवाई का विवरण

क्रमांक	फसल/अंतरफसल	विवरण		विवरण
1		खरीदा बीज/अपना बीज		
		बीज खरीदी का पता		दुकान का नाम
		बीज खरीदी की बिल संख्या		
		बीज उपचार का तरीका तथा विवरण		
2		खरीदा बीज/अपना बीज		
		बीज खरीदी का पता		
		बीज खरीदी की बिल संख्या		
		बीज उपचार का तरीका तथा विवरण		
		अन्य		

बुवाई की लागत

क्रमांक	जैविक बीज		मात्रा (कि.ग्रा.)	दर (रु./कि.ग्रा.)	कुल लागत (रु.)
1.	हरी खाद का बीज (यदि जोताई की गई)				
2.	बीज मुख्य फसल				
3.	बीज अंतरफसल/मिश्रित फसल				
4.	बीज उपचार सामग्री (जैव कीटनाशक, बढ़वार प्रोत्साहक)				
5.	अन्य				

मशीनीकरण की लागत और मजदूर शुल्क

		मशीन का विवरण			मजदूर						
					पुरुष			महिला			
खेत संक्रिया	दिनांक और टिप्पणी	समय (घंटा)	लागत (रु./घंटा)		सं.	दिनों की संख्या	प्रति दिन शुल्क (रु./दिन)	सं.	दिनों की संख्या	प्रति दिन शुल्क (रु./दिन)	कुल लागत (रु.)
जुताई करना											
हैरो करना											
बोवाई करना											
अन्य											

4 खरपतवार प्रबंधन

क्रमांक	विवरण		विवरण
1	खेत में देखे गए खरपतवार के प्रकार (स्थानीय नाम)		

खरपतवार प्रबंधन की लागत

खेत की कार्रवाई	दिनांक और टिप्पणी	मशीन का विवरण			मजदूर						कुल लागत (रु.)
					पुरुष			महिला			
		समय (घंटा)	लागत (रु./घंटा)		सं.	दिनों की संख्या	प्रति दिन शुल्क (रु./दिन)	सं.	दिनों की संख्या	प्रति दिन शुल्क (रु./दिन)	
होइंग											
हाथ से निराई 1											
अंतर जुताई											
हाथ से निराई 2											
हाथ से निराई 3											

5 जल प्रबंधन

क्रमांक	विवरण	विवरण	लागत (रु.)
1	पानी का स्रोत		
2	पानी लगाने का दिनांक		
3	पानी लगाने का समय		
4	मोटर (एचपी)		
5	सिंचाई की कुल संख्या		
6	बारिश से प्रभावित (हां/नहीं)		
7	अन्य		

6 कीट और रोग प्रबंधन

क्रमांक	विवरण	भूखंड संख्या		कीट 1	कीट 2	लागत (रु.)
1.	कीट का प्रकार (विस्तृत विवरण के साथ)					
2.	कीट दिखने की तिथि					
3.	किस प्रकार की विधि द्वारा कीट नियंत्रित किया गया?					
4.	जैव कीटनाशक का स्रोत, दिनांक?					
5.	प्रयोग किए गएजैव कीटनाशक का मात्रा में विवरण					
6.	जैव कीटनाशक का स्रोत/स्थानीय /क्षेत्रीय					
7.	अन्य					

कीट प्रकोप कम करने के यांत्रिक तरीके

विवरण	नहीं।		विवरण	लागत (रु.)
पीला चिपचिपा जाल				
प्रकाश जाल (लाईट ट्रॅप)				
फेरोमोन जाल				
जाल फसलों की खेती				
अन्य				

7 फसल प्रबंधन

फसल का प्रकार/विवरण					
फसल कटाई की तिथि					
फसल कटाई की मशीनरी/उपकरण का विवरण					
मशीनरी/उपकरण का स्रोत तथा स्वच्छता					
अन्य					

फसल कटाई और फसल कटाई बाद पोस्ट हार्वेस्ट (कटाई के बाद) की लागत

खेत में काम	प्लॉट नंबर।	दिनांक	मशीन का विवरण		मजदूर						कुल लागत (रू.)
					पुरूष			महिला			
			समय (घंटा)	लागत (रु./घंटा)	सं.	दिनों की संख्या	प्रति दिन शुल्क (रु./दिन)	सं.	दिनों की संख्या	प्रति दिन शुल्क (रु./दिन)	

8 भंडारण का विवरण

क्रमांक	दिनांक	विवरण		विवरण
1.		भंडारण का प्रकार		
2.		भंडारण के दौरान किसी भी कीट (पेस्ट) का संक्रमण?		
3.		संक्रमण के खिलाफ कोई प्रीसर्वेटिव्ह इस्तेमाल किया		
4.		अन्य		

9 उपज का विपणन और बिक्री प्रबंधन

क्रमांक	बेची गई सामग्री का प्रकार	जैविक		नहीं बिका/भंडारण	विक्रेता/खरीदार का नाम	दिनांक
1.						
2.						
3.						

3. फसल अवधि: रबी साल : 2022-23

रोपी/लगाई गई फसल के विवरण

फसल लगाने की अवधि: .... से .... तक

		फसल, किस्म, अनुमानित उत्पादन तथा वास्तविक उत्पादन											
भूखंड संख्या	क्षेत्र (हेक्टेयर/ बीघा)	मुख्य फसल						मिश्र फसल / सह फसली खेती					
		फसल	किस्म	अनुमानित उत्पादन	वास्तविक उत्पादन (कि.ग्रा./क्विंटल/टन) इकाई का उल्लेख करें			फसल	किस्म	अनुमानित उत्पादन	वास्तविक उत्पादन (कि.ग्रा./क्विंटल/टन) इकाई का उल्लेख करें		
					मुख्य क्षेत्र	बफर क्षेत्र	कुल				मुख्य क्षेत्र	बफर क्षेत्र	कुल

2. खेत की सीमा विवरण के साथ मानचित्र

खेत की जीपीएस स्थिति :
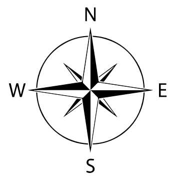

खेत प्रबंधन पद्धतियाँ

1 पोषक तत्व प्रबंधन

क्रमांक	उर्वरक उत्पादन जैसे खेत की खाद, वर्मीकम्पोस्ट, जीवमृत, पंचगव्य	इकाई (किलोग्राम/लीटर)	उत्पाद/दिनांक		उत्पादन (मात्रा)	खेत में प्रयोग की तिथि	खेत में प्रयोग (मात्रा)	तैयारी की लागत (रु.)
1								
2								
3								
4								
5								

पोषक तत्व प्रबंधन के लिए मजदूरी लागत

	प्रति दिन शुल्क	पुरुषों की संख्या		दिनों की संख्या	महिलाओं की संख्या	दिनों की संख्या	कुल लागत (रु.)
खाद उत्पादन तैयारी							
परिवहन							
प्रयोग							

बाज़ार से खरीदा गया खाद

खाद का नाम	यूरिया (एन)	डीएपी (पी)	पोटैश (के)		बिल का विवरण	मात्रा (कि.ग्रा.)	कुल लागत (रु.)

2 पशुपालन का विवरण

क्रमांक	विवरण	संख्या		विवरण प्रजातियां
1.	गाय			
2.	भैंस			
3.	बैल			
4.	भेड़			
5.	बकरी			
6.	कुक्कुट पालन			
7.	मधुमक्खी पालन			
8.	मछली पालन			

3 बुवाई का विवरण

क्रमांक	फसल/अंतरफसल	विवरण		विवरण
1.		खरीदा बीज/अपना बीज		
2.		बीज खरीदी का पता		दुकान का नाम
3.		बीज खरीदी की बिल संख्या		
4.		बीज उपचार का तरीका तथा विवरण		
5.		खरीदा बीज/अपना बीज		
6.		बीज खरीदी का पता		
7.		बीज खरीदी की बिल संख्या		
8.		बीज उपचार का तरीका तथा विवरण		
		अन्य		

बुवाई की लागत

क्रमांक	जैविक बीज	मात्रा (कि.ग्रा.)	दर (रु./ कि.ग्रा.)	कुल लागत (रु.)
1.	हरी खाद का बीज (यदि जोताई की गई)			
2.	बीज मुख्य फसल			
3.	बीज अंतरफसल/ मिश्रित फसल			
4.	बीज उपचार सामग्री (जैव कीटनाशक, बढ़वार प्रोत्साहक)			
5.	अन्य			

मशीनीकरण की लागत और मजदूर शुल्क

खेत संक्रिया	दिनांक और टिप्पणी	मशीन का विवरण			मजदूर						कुल लागत (रु.)
					पुरुष			महिला			
		समय (घंटा)	लागत (रु./घंटा)		सं.	दिनों की संख्या	प्रति दिन शुल्क (रु./दिन)	सं.	दिनों की संख्या	प्रति दिन शुल्क (रु./दिन)	
जुताई करना											
हैरो करना											
बोवाई करना											
अन्य											

4 खरपतवार प्रबंधन

क्रमांक	विवरण		विवरण
1	खेत में देखे गए खरपतवार के प्रकार (स्थानीय नाम)		

खरपतवार प्रबंधन की लागत

खेत की कार्रवाई	दिनांक और टिप्पणी	मशीन का विवरण			मजदूर						कुल लागत (रु.)
					पुरुष			महिला			
		समय (घंटा)	लागत (रु./घंटा)		सं.	दिनों की संख्या	प्रति दिन शुल्क (रु./दिन)	सं.	दिनों की संख्या	प्रति दिन शुल्क (रु./दिन)	
होइंग											
हाथ से निराई 1											
अंतर जुताई											
हाथ से निराई 2											
हाथ से निराई 3											

5 जल प्रबंधन

क्रमांक	विवरण	विवरण	लागत (रु.)
1.	पानी का स्रोत		
2.	पानी लगाने का दिनांक		
3.	पानी लगाने का समय		
4.	मोटर (एचपी)		
5.	सिंचाई की कुल संख्या		
6.	बारिश से प्रभावित (हां/नहीं)		
7.	अन्य		

6 कीट और रोग प्रबंधन

क्रमांक	विवरण	भूखंड संख्या		कीट 1	कीट 2	लागत (रु.)
8.	कीट का प्रकार (विस्तृत विवरण के साथ)					
9.	कीट दिखने की तिथि					
10.	किस प्रकार की विधि द्वारा कीट नियंत्रित किया गया?					
11.	जैव कीटनाशक का स्रोत, दिनांक?					
12.	प्रयोग किए गएजैव कीटनाशक का मात्रा में विवरण					
13.	जैव कीटनाशक का स्रोत/स्थानीय /क्षेत्रीय					
14.	अन्य					

कीट प्रकोप कम करने के यांत्रिक तरीके

विवरण	नहीं।		विवरण	लागत (रु.)
पीला चिपचिपा जाल				
प्रकाश जाल (लाईट ट्रॅप)				
फेरोमोन जाल				
जाल फसलों की खेती				
अन्य				

7 फसल कटाई प्रबंधन

फसल का प्रकार/विवरण					
फसल कटाई की तिथि					
फसल कटाई की मशीनरी/उपकरण का विवरण					
मशीनरी/उपकरण का स्रोत तथा स्वच्छता					
अन्य					

फसल कटाई और फसल कटाई बाद पोस्ट हार्वेस्ट (कटाई के बाद) की लागत

खेत में काम	भूखंड सं	दिनांक	मशीन का विवरण			मजदूर						कुल लागत (रू.)
						पुरुष			महिला			
			समय (घंटा)	लागत (रु./घंटा)		सं.	दिनों की संख्या	प्रति दिन शुल्क (रु./दिन)	सं.	दिनों की संख्या	प्रति दिन शुल्क (रु./दिन)	

8 भंडारण का विवरण

क्रमांक	दिनांक	विवरण		विवरण
1.		भंडारण का प्रकार		
2.		भंडारण के दौरान किसी भी कीट (पेस्ट) का संक्रमण? जैसे नीम की पत्तियाँ या कोई अन्य प्राकृतिक पदार्थ		
3.		संक्रमण के खिलाफ कोई प्रीसर्वेटिव्ह इस्तेमाल किया		
4.		अन्य		

9 उपज का विपणन और बिक्री प्रबंधन

क्रमांक	बेची गई सामग्री का प्रकार	जैविक		नहीं बिका/भंडारण	विक्रेता/खरीदार का नाम	दिनांक
1.						
2.						
3.						

संदूषण नियंत्रण अभिलेख

क्रमांक	संदूषण की संभावना	स्रोत और विवरण	संदूषण नियंत्रण का समय/तिथि		संदूषण प्रबंधन		टिप्पणियां
					निवारक	नियंत्रण	
1.	मशीनरी						
2.	पानी						
3.	हवा						
4.	पडोसी खेत						
5.	बहाव नियंत्रण/बफर क्षेत्र						
6.	अन्य						

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली (आईसीएस)

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली (आईसीएस)

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली (आईसीएस) गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली का वह हिस्सा है जो बाहरी प्रमाणन निकाय को प्रमाणित ऑपरेटर के भीतर पहचाने गए किसी निकाय या इकाई को समूह के अलग-अलग सदस्यों का समय-समय पर निरीक्षण सौंपने की अनुमति देता है। इसका मतलब यह है कि तृतिय पक्ष के प्रमाणन निकायों को केवल प्रणाली के कामकाज का निरीक्षण करना चाहिए, साथ ही अलग-अलग छोटे धारकों का कुछ निदर्श रूप में परीक्षण पुन: निरीक्षण करना चाहिए।

समूह प्रमाणन आंतरिक गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की अवधारणा पर आधारित है जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं: -

- आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का कार्यान्वयन
- आंतरिक मानक
- जोखिम मूल्यांकन

उत्पादक समूहों के लिए आईसीएस स्थापित करने हेतु निम्नलिखित न्यूनतम आवश्यकताएं हैं: -

- नीतियों और प्रक्रियाओं से युक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली (आईसीएस) नियमावली का विकास करना
- समूह में किसानों की पहचान करना
- उत्पादक समूह प्रमाणन के बारे में जागरूकता पैदा करना
- आंतरिक नियंत्रण प्रणाली बनाए रखने के लिए योग्य/अनुभवी कर्मियों की पहचान करना

- उत्पादन और आईसीएस विकास में आवश्यक प्रशिक्षण देना
- नीतियों और प्रक्रियाओं का कार्यान्वयन करना
- सामंजस्यपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली बनाए रखने के लिए आईसीएस दस्तावेज़ की समीक्षा और सुधार करना

आईसीएस की संरचना

- **आईसीएस प्रबंधक**

  आईसीएस प्रबंधक द्वारा आईसीएस विकसित और कार्यान्वित किया जाएगा और आंतरिक निरीक्षण आयोजित करने और फील्ड कर्मचारियों, अनुमोदन कर्मचारियों और मान्यता प्राप्त प्रमाणन निकाय (सीबी) के बीच समन्वय करने के लिए जिम्मेदार होगा।

- **आंतरिक निरीक्षक**

  आईसीएस द्वारा अपने समूह से पर्याप्त संख्या में आंतरिक निरीक्षकों को नामित किया जाएगा और समूह के सभी किसानों का साल में दो बार 100% निरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए प्रति 50-60 किसानों पर कम से कम एक आंतरिक निरीक्षक होगा।

- **फील्ड अधिकारी**

  फील्ड अधिकारी द्वारा क्षेत्र विस्तार सेवाओं का आयोजन कर किसानों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

- **उत्पादक**

- उत्पादक समूह किसानों/उत्पादकों का संगठित समूह हैं जो जैविक उत्पादों का उत्पादन करना चाहते हैं/ राष्ट्रीय जैविक उत्पादन मानकों के अनुसार जैविक प्रक्रियाओं में संलग्न होना चाहते हैं।
- उत्पादक समूह में न्यूनतम 25 और अधिकतम 500 किसान शामिल होंगे।

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए प्रक्रियाएं

1. सदस्यों का पंजीकरण

समूह के सभी सदस्यों को कानूनी रूप से एकल इकाई (नाम) के तहत उसके संचालन के पते (स्थान, तालुका, गांव) के साथ पंजीकृत किया जाएगा।.

2. प्रलेखन और रिकॉर्ड का रखरखाव

उत्पादक समूह के प्रत्येक सदस्य को स्थानीय भाषा में एक संक्षेप सूची उपलब्ध कराई जाएगी जिसमें निम्नलिखित शामिल होगा:

- आंतरिक मानकों के लिए दस्तावेज़।
- आंतरिक मानकों को राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) मानकों के ढांचे के तहत संचालन के क्षेत्र के लिए आईसीएस प्रबंधक द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किया जाएगा।
- आंतरिक मानकों में शामिल होगा: -

a) उत्पादन इकाई की परिभाषा

b) आंशिक रूपांतरण से कैसे निपटना है

c) रूपांतरण अवधि

d) बफर क्षेत्र का रखरखाव

e) संपूर्ण उत्पादन इकाई के लिए कृषि उत्पादन मानदंड (जैसे बीज, पोषक तत्व प्रबंधन, कीट प्रबंधन, मिट्टी प्रबंधन, अनुमोदित आदान, बहाव की रोकथाम, पशुपालन प्रबंधन)

f) फसल कटाई और फसल कटाई बाद की प्रक्रियाएं

- फार्म डायरी जिसमें खेती की जा रही सभी फसलों, आदानों के इस्तेमाल, कटाई की गई मात्रा आदि का संकेत होना चाहिए।
- प्रचलित खेती-बाड़ी की प्रणाली और क्षेत्र के लिए उपलब्ध अनुप्रयोग पैकेज।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम की अनुसूची

जैविक प्रणाली योजना के अवयव

1. जैविक फसल उत्पादन इकाइयाँ एक ही भौगोलिक क्षेत्र में होनी चाहिए और उन्हें समूहों/संकुलों में विभाजित किया जा सके।
2. किसान हित समूह (एफआईजी) या जैविक समूह/संकुलों को समजात रूप से फसलें उगाना चाहिए।
3. इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि आसपास का वातावरण, अपशिष्ट जल का निस्सरण आदि वायु, भूजल, पानी आदि के जरिए फसल को दूषित न करें।
4. भूमि पर किसी भी आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएमओ) फसल को उगने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

5. आंशिक रूपांतरण

अगर समूह के किसान खेत के एक निश्चित हिस्से में जैविक उत्पादन ले रहे हैं तो उन्हें पारंपरिक खेत से एक निश्चित भौतिक दूरी बनाए रखनी चाहिए। इस स्थिति में दो फसलों के बीच बफर क्षेत्र होना चाहिए। इसके अलावा, फसल कटाई, खरीद, बीज प्रसंस्करण, फसल प्रबंधन, भंडारण और परिवहन के अन्य सभी पहलुओं को भी अलग किया जाना चाहिए और उचित ढंग से दर्ज किया जाना चाहिए।

6. रूपांतरण अवधि

यह सभी किसानों के लिए तीन साल की अनिवार्य अवधि है। अंतिम निर्णय आंतरिक नियंत्रण प्रणाली प्रबंधन एजेंसी पर निर्भर करता है। प्रमाणन निकाय को जैविक प्रमाणन मानदंडों के अनुसार सभी विवरण प्रदान करना अनिवार्य है और खेत को एनपीओपी प्रमाणित करने का अंतिम निर्णय सी.बी के पास है।

7. खेत उत्पादन नियम तथा बीज उत्पादन

a) किसानों को केवल जैविक बीज और पौध का ही इस्तेमाल करना चाहिए। यदि जैविक बीज उपलब्ध न हों तो बिना किसी रासायनिक उपचार के स्थानीय बीजों का प्रयोग करना चाहिए। प्रमाण के तौर पर सभी दस्तावेज रखना अनिवार्य है।

b) पिछले तीन सालों से जैविक खेती करने वाले किसान जैविक खेती प्रणाली में किसानों के लिए ऐसे बीज प्राप्त करने के पात्र हैं। किसी प्रतिबंधित रसायन का इस्तेमाल न करने की स्थिति में इन किसानों को आपस में बीजोपचार सामग्री का व्यापार करना चाहिए।

c) बीज उपचार के लिए किसानों को सर्व-प्राकृतिक प्रक्रिया का इस्तेमाल करना चाहिए। जैसे: जैविक उर्वरक, जैव कीटनाशक, राख, आदि।

d) किसानों को आनुवंशिक रूप से संशोधित किसी भी बीज का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

8. जैविक खेत में पोषक तत्व प्रबंधन

a) पोषक तत्व प्रबंधन के लिए किसानों को उसी खेत की सीमा के भीतर विघटित कृषि अपशिष्ट का इस्तेमाल करना चाहिए।

b) फसल का पोषक तत्व संतुलन बनाए रखने के लिए अंतरफसल को अपनाया जाना चाहिए।

c) अगर कृषि पोषक तत्व को बाहर से खरीदा जाता है, तो उनके उत्पादन से पहले उनके स्रोत, उनके निरीक्षण रिकॉर्ड और प्रमाणन एजेंसी के विवरण की जांच कर ली जानी चाहिए, और सभी विवरणों को सीबी के लिए रिकॉर्ड के रूप में रखा जाना चाहिए।

d) मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है और जैविक खेतों के पोषक तत्व प्रबंधन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सभी पोषक तत्व जैविक मानक प्रथाओं के अनुसार होने चाहिए।

9. कीट और पेस्ट प्रबंधन

a) कीट और रोग प्रबंधन के लिए भौतिक, जैविक और यांत्रिक प्रक्रियाओं को अपनाया जाना चाहिए।

b) कीट के हमले से बचने के लिए किसानों को निवारक उपायों का पालन करना चाहिए।

- पीड़कों के हमले की निगरानी करने और प्रकोप का स्तर कम करने के लिए जाल फसलों की खेती, यांत्रिक जाल जैसे प्रकाश जाल, फेरोमोन जाल, और पीले चिपचिपा जाल का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- खेत में पक्षी बैठने का डंडा लगाकर प्राकृतिक शिकारियों को बढ़ावा दिया जा सकता है।
- मिट्टी की गुणवत्ता में वृद्धि से उगाई गई फसल की सेहत में वृद्धि होगी और पेस्ट और बीमारियों के प्रति संवेदनशीलता कम से कम होगी।
- हमले को नियंत्रित करने के लिए किसान नीम के अर्क और जैव कीटनाशकों का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- जैविक खेती में पौधों की ग्रोथ हॉर्मोन्स का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए, इसके बजाय पौधों पर आधारित जैविक उत्पादों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।
- खेत के आंतरिक निरीक्षण और प्रमाणन के लिए, सभी एकीकृत कीट प्रबंधन पद्धतियों को तारीख और विवरण के साथ ठीक से दर्ज किया जाना चाहिए।

10. खरपतवार प्रबंधन

a) खरपतवार प्रबंधन के लिए भौतिक, जैविक एवं यांत्रिक विधियों का प्रयोग किया जाना चाहिए।

b) खरपतवार का इस्तेमाल खाद बनाने या पशुओं के चारे के रूप में किया जाना चाहिए।

c) जैविक खेतों में रासायनिक खरपतवारनाशी प्रतिबंधित है।

11. बहाव (ड्रिफ्ट) प्रबंधन

a) हवा, पानी, भूजल आदि के जरिए संदूषण की संभावना कम करने के लिए जैविक खेत और पारंपरिक खेत के बीच एक बफर क्षेत्र होना चाहिए।

b) उचित बाड़ लगाने के साथ-साथ हवा के जरिए संदूषण से बचने के लिए खेत की मेंड़ पर पेड़ लगाए जाने चाहिए।

c) मिट्टी और उपसतह पानी के जरिए संदूषण से बचने के लिए आसपास के खेतों से निकलने वाले अपशिष्ट को रोकने के लिए उचित जल निकासी प्रदान की जानी चाहिए।

12. फसल कटाई बाद की प्रक्रिया

a) जैविक और पारंपरिक खेत को हर तरह से अलग-अलग काटा, संसाधित और भंडारित किया जाना चाहिए।

b) मशीनों को अलग से इस्तेमाल किया जाना चाहिए और पारंपरिक और जैविक खेतों के लिए मिश्रित नहीं किया जाना चाहिए।

c) जैविक खेतों के लिए मशीनरी/उपकरणों को इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह से स्वच्छ/साफ किया जाना चाहिए।

d) फसल कटाई, प्रसंस्करण और भंडारण और पैकेजिंग प्रक्रिया में लॉट नंबर का उल्लेख और प्रलेखन होना चाहिए।

e) भंडारण और पैकेजिंग के लिए, प्राकृतिक और घरेलू तरीकों का इस्तेमाल करने की सिफारिश की जाती है, जैसे नीम की पत्ती, चौड़ी पत्तियाँ और राख का इस्तेमाल किया जा सकता है।

f) जैविक उत्पादों को संसाधित करते समय उनकी मूल विशेषताएं और उनक ग्रेड प्रभावित नहीं होना चाहिए।

प्रिय किसानों याद रखें कि जब आप जैविक खेती करते हैं तो कुछ निश्चित चीजें हैं जिन्हें करना चाहिए और नहीं करना चाहिए -

क्या करें

- खेत की मेंड़ पर कृषि जलवायु क्षेत्र के अनुसार लाभकारी पेड़ लगाए जा सकते हैं।
- बफर फ़सलों के लिए e.g., ऊँचे बाजरे की 5-6 पंक्तियाँ लगानी चाहिए।
- मिश्रित फसल और अंतर फसल को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- प्रमाणित जैविक खाद का प्रयोग करें।
- रोग नाशकों और कीटनाशकों के लिए जैविक साधनों का प्रयोग करें।
- खेत में जैव कीटनाशक तैयार कर सकते हैं।
- बायोएजेंट से उपचारित अपने स्वयं के बीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- पंपों पर 'जैविक छिड़काव' का लेबल लगा होना चाहिए।
- मशीनरी, औजारों और उपकरणों का केवल जैविक कार्यक्रम के लिए ही इस्तेमाल किया जाना है।
- सिंचाई पाइपें जैविक कार्यक्रम के लिए अलग होनी चाहिए।

क्या न करें

X. खेत में सारा कचरा जलाना।

X. बीटी कपास जैसे आनुवंशिक रूप से संशोधित बीजों का इस्तेमाल करना।

X. फसल लेने के एकफसली पैटर्न का इस्तेमाल करना।

X. कीटनाशक, रोग नाशी और खरपतवारनाशी जैसे कृषि रसायनों का इस्तेमाल करना।

X. पारंपरिक किसानों से स्प्रे पंप उधार लेना।

X. पारंपरिक खेतों से किसी भी सामग्री का पुन: इस्तेमाल करना।

X. रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल करना।

X. बीज प्रसंस्करण के लिए रसायनों का इस्तेमाल करना।

X. जैविक और पारंपरिक उत्पादों का मिश्रण करना।

X. जैविक और पारंपरिक उत्पादों का एक साथ भंडारण करना।

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

Published by:
Published by:
Deutsche Gesellschaft für
Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH

Registered offices
Bonn and Eschborn, Germany
Friedrich-Ebert-Allee 36 + 40
53113 Bonn, Germany
T+49 228 44 60-0
F +49 228 44 60-17 66
E info@giz.de
I www.giz.de

Dag-Hammarskjöld-Weg 1 – 5
65760 Eschborn, Germany
T +49 61 96 79-0
F +49 61 96 79-11 1